ओ३म्

यजुर्वेदसंहितायाः ॥

मन्त्राणां

वर्णानुक्रमसूची



अजमेरस्थ वैदिक यन्त्रालये

मुद्रिता

द्वितीयावृत्ति,



मुद्रसङ्ख्या: १९७२९४९००११

संवत् १९६७ वि०

॥ ओ३म् ॥

यजुर्वेदसंहितायाः

मन्त्राणां वर्णानुक्रमसूची ॥

अ

आ

इ

ऊ

ऋ

ओ

क

द

प

ब

य

र

ल

श

ह

॥ इति ॥

यजुर्वेदस्य प्रत्यध्यायं पृथक् पृथङ्मन्त्राणां संख्या ।

अध्यायाः	मन्त्र संख्या	अध्यायाः	मन्त्र संख्या
प्रथमः	३१	त्रयोविंशतिमः	६५
द्वितीयः	३४	चतुर्विंशतिमः	४०
तृतीयः	६३	पञ्चविंशतिमः	४८
चतुर्थः	३७	षड्विंशतिमः	२६
पञ्चमः	४३	सप्तविंशतिमः	४५
षष्ठमः	३७	अष्टाविंशतिमः	४६
सप्तमः	४८	उनत्रिंशतिमः	६०
अष्टमः	६३	त्रिंशतिमः	२२
नवमः	४०	एकत्रिंशतिमः	२२
दशमः	३४	द्वात्रिंशतिमः	१६
एकादशः	८३	त्रयस्त्रिंशतिमः	९७
द्वादशः	११७	चतुस्त्रिंशतिमः	५८
त्रयोदशः	५८	पंचत्रिंशतिमः	२२
चर्तुदशः	३१	षड्त्रिंशतिमः	२४
पञ्चदशः	६५	सप्तत्रिंशतिमः	२१
षोड़षः	६६	अष्टात्रिंशतिमः	२८
सप्तदशः	९९	उन् चत्वारिंशतिमः	१३
अष्टादशः	७७	चत्वारिंशतिमः	१७
उनविंशतिमः	९५	सर्वमन्त्राणां संख्या	१९७६
विंशतिमः	९०		
एकविंशतिमः	६१		
द्वाविंशतिमः	३४		

वैदिक पुस्तकालय अजमेर की विक्रय पुस्तकों का सूचीपत्र व

बेचने के संक्षिप्त नियम ॥

---

(१) सब पुस्तकें रोक दाम पेशगी भेजने पर या वी. वी. द्वारा भेजी जावेंगी (२) मूलवेदों पर (जिल्द की क़ीमत व सुनहरी वेदों को छोड़) २ सेट पर २०) २१ पर २२) और १०० पर ३०) सैकड़ा और शेष सब पुस्तकों पर १०) रुपये वा इस से अधिक के पुस्तक मंगवाने वालों को २०) सैकड़े के हिसाब से कमीशन दिया जायगा अर्थात् ८) में १०) की पुस्तकें, १००) रोक भेजने पर १२२) की पुस्तकें भेजी जावेंगी (३) महसूल सब पुस्तकों का अलग लिया जावेगा (४) विके हुए पुस्तक वापिस न लिये जावेंगे (५) मूल्य आदि भेजने तथा बड़ा सूचीपत्र मंगवाने के लिये नीचे लिखे पते से पत्र व्यवहार करें ॥

	मूल्य.	डा.
ऋग्वेदभाष्य पहले मंडल से सातवें मंडल के पांचवे अष्टकके पांचवें अध्याय से तीसरे वर्ग के दूसरे मंत्र तक कीमत	२०)	
कमीशन २०) सैकड़ा दिया जावेगा		
नोट फुटकर अंक नहीं बेचे जावेंगे		
ऋग्वेद का आगे का शेष मूल भाग	१)	
ऋग्वेदभाष्य का नमूना	)॥	)॥

	मूल्य	डा.
यजुर्वेदभाष्य सम्पूर्ण	१०)	
कमीशन २०) सैकड़े से दिया जावेगा		
नोट—फुटकर नहीं बेचे जावेंगे		
चारों मूलवेदः—		
बढ़िया कागज पर स्वर्णाक्षरों में	८)	
बढ़िया कागज पर बिना जिल्द	५॥)	
साधारण कागज पर बिना जिल्द	५)	
बढ़िया जिल्द के २) अलग		
चारोंवेदों की अनुक्रमणिका	१॥)	=)॥
शतपथ ब्राह्मण सम्पूर्ण	४)	।)
ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका	१।)	≡)

	मूल्य.	डा.
ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका सजिल्द	१।।।)	।)
वेदाङ्गप्रकाश सम्पूर्ण(१४भाग)	४।≡)।।।	।≡)।।
वेदाङ्गप्रकाश का ब्यौरा:—		
वर्णोच्चारण शिक्षा	)।।	)।।
सन्धिविषय	।-)	)।।
नामिक	।)	)।।
कारकीय	≡)	)।।
सामासिक	।)	)।।
स्त्रैणताद्धित	।।=)	-)
अव्ययार्थ	-)।।	)।।
सौवर	-)।।	)।।
आख्यातिक	१।)	=)।।
पारिभाषिक	≡)	)।।
धातुपाठ	।)	)।।
गणपाठ	≡)	)।।
उणादिकोष	।।)	-)
निघण्टु	।)	)।।
निरुक्त	।।=)	-)।।
अष्टाध्यायीमूल	≡)।।	)।।
संस्कृतवाक्यप्रबोध	=)	)।।
व्यवहारभानु	=)	)।।
हवनमन्त्र	)।	)।।
भ्रमोच्छेदन	)।।।	)।।
अनुभ्रमोच्छेदन	)।।।	)।।
शास्त्रार्थ मेला चांदापुर नागरी	-)	)।।
शास्त्रार्थ मेला चांदापुर उर्दू	-)	)।।
शास्त्रार्थ काशी	)।।।	)।।
शास्त्रार्थ फीरोज़ाबाद	-)।।	)।।
वेदविरुद्धमतखुण्डन	=)	।।

	मूल्य.	डा.
वेदान्तिध्वान्तनिवारण नागरी	)।।।	)।।
वेदान्तिध्वान्तनिवारण अङ्गरेजी	-)	)।।
आर्य्योद्देश्यरत्नमाला नागरी	)।	)।।
आर्य्योद्देश्यरत्नमाला मरहटी	-)	)।।
गोकरुणानिधि	-)	)।।
स्वामी नारायणमतखं० संस्कृत गुज.	-)।।	)।।
स्वामी नारायणमतखं० सं० नागरी	-)।।	)।।
स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाश नागरी	)।।	)।।
स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाश अङ्गरेजी	)।	)।।
आर्य्याभिविनय गुटका	≡)	)।।
आर्य्याभिविनय सजिल्द	।-)	-)
आर्य्याभिविनय मोटे अक्षरों की	।=)	=)
भ्रान्तिनिवारण	-)	)।।
पञ्चमहायज्ञविधि	-)।।	)।।
पञ्चमहायज्ञविधि साधारण जिल्द	=)।।	)।।
पञ्चमहायज्ञविधि बढ़िया	=)	)।।
आर्य्यसमाज के नियमोपनियम	)।	)।।
सत्यार्थप्रकाश साधा० कागज नागरी	१)	।)
सत्यार्थप्रकाश साधा० सजिल्द ,,	१।)	।-)
सत्यार्थप्रकाश बढ़िया ,,	१।।।)	।-)
सत्यार्थप्रकाश बढ़िया सजिल्द ,,	२।)	।=)
सत्यार्थप्रकाश बङ्ग भाषा में	१)	
संस्कारविधि	।।)	=)
संस्कारविधि सजिल्द	१)	≡)
स्वीकारपत्र	)।	)।।

आर्य्यसमाज के नियम नागरी में एक प्रकार की स्याही में =)।। सैकड़ा, रङ्ग बिरङ्गी स्याही में तथा सुनहरी २) सैकड़ा, अङ्गरेजी में सफेद कागज पर ।) सैकड़ा ॥

प्रबन्धकर्त्ता वैदिक पुस्तकालय—अजमेर